मीनाक्षी के नामांकन में कांग्रेस एकजुट

- मीनाक्षी ने चुनाव के लिए पेश किया नामांकन पत्र
- लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प दोहराया

नामांकन के दौरान मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह 'राहुल भैया', पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य कमलेश्वर पटेल, केंद्रीय चुनाव समिति सदस्य ओमकार मरकाम, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मुकेश नायक, वरिष्ठ नेता जे.पी. धनोपिया, मीडिया समन्वयक रवि सक्सेना, प्रवक्ता विक्रम चौधरी और राहुल राज, विधायक जयवर्धन सिंह तथा फूल सिंह बरैया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस विधायक, पदाधिकारी और विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

विशेष संवाददाता

भोपाल, 08 जून. मध्य प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए पार्टी की एकजुटता का संदेश दिया.

नटराजन ने विधानसभा परिसर में राज्यसभा निर्वाचन के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विधायक और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. नामांकन दाखिल करने के बाद मीनाक्षी नटराजन ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ मीडिया को संबोधित किया. उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस के सभी विधायक मीनाक्षी नटराजन के साथ विधानसभा पहुंचे हैं, जो पार्टी की एकजुटता का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि यह केवल मीनाक्षी नटराजन की लड़ाई नहीं, बल्कि विचारधारा, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के अधिकारों की लड़ाई है. उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस प्रत्याशी विजयी होगी. सिंघार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि तीसरे राज्यसभा उम्मीदवार का नामांकन उसके वास्तविक चरित्र को उजागर करता है. यह संविधान की लड़ाई है और अंततः संविधान की जीत होगी.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नटराजन को गांधीवादी मूल्यों से प्रेरित नेता बताते हुए कहा कि उनकी उम्मीदवारी महिला सशक्तिकरण, स्वच्छ राजनीति और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा का प्रतीक है.

नगर निगम खंगाल रहा खाली पड़ी सरकारी जमीनों की फाइल

- रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रोजेक्ट आएंगे
- महाकाल मंदिर मार्ग के आसपास फोकस
- उज्जैन को महानगर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

नवभारत न्यूज

उज्जैन. महाकाल की नगरी उज्जैन तेजी से विकास की नई इबारत लिख रही है. शहर में एक साथ चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण, सीवरेज, सड़क, पार्किंग और अधोसंरचना से जुड़े दर्जनों प्रकल्पों पर काम चल रहा है. नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप इस बार का सिंहस्थ देश का सबसे बेहतर और व्यवस्थित सिंहस्थ बनाने की दिशा में सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं.

नवभारत से चर्चा में आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा वर्तमान में 45 निर्माण और विकास कार्य संचालित किए जा रहे हैं. इनमें कंठाल से कोयला फाटक के बीच का महत्वपूर्ण निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है. अब केवल फिनिशिंग कार्य शेष है.

पांच काम पूरे होने वाले - इसके अलावा पांच अन्य प्रमुख प्रकल्प भी पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं. शहर में सीवरेज नेटवर्क का लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य भी तेज गति से चल रहे हैं.

महाकाल सवारी निकलेगी - महाकाल की आगामी सवारियों को ध्यान में रखते हुए महाकाल मार्ग और उससे जुड़े सभी प्रमुख मार्गों पर निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं. इसकी लगातार मॉनीटरिंग भी की जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े.

बड़े प्रोजेक्ट आएंगे-शहर की खाली पड़ी सरकारी जमीनों पर आवासीय और व्यावसायिक प्रोजेक्ट विकसित किए जाएंगे. साथ ही पार्किंग, आधुनिक बाजार और अन्य सुविधाएं भी निर्मित होंगी, जिससे महाकाल दर्शन के लिए आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सके. श्रद्धालु यदि उज्जैन में अधिक समय तक रुकेंगे तो स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, शहर की आय बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे.

सीएम के विजन से सौगात

आयुक्त ने कहा कि विकास कार्यों के साथ अनेक सहायक गतिविधियां भी जुड़ी होती हैं, जिससे एक व्यापक आर्थिक तंत्र विकसित होता है. निर्माण कार्यों से रोजगार, व्यापार और सेवा क्षेत्र को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है. महाकाल बाबा की कृपा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन के कारण उज्जैन को लगातार नई सौगातें मिल रही हैं.

मेहमान चले जाएंगे, सौगात यहीं - आयुक्त के अनुसार सिंहस्थ में आने वाले साधु-संत और श्रद्धालु स्नान एवं दर्शन कर वापस चले जाएंगे, लेकिन जो सड़कें, फ्लाईओवर, फोरलेन, सिक्सलेन, पार्किंग, बाजार और अन्य अधोसंरचनात्मक सुविधाएं विकसित हो रही हैं, उनका स्थायी लाभ उज्जैन की जनता को मिलेगा. आने वाले वर्षों में यही विकास कार्य शहर की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का आधार बनेंगे. उन्होंने विश्वास जताया कि शीघ्र ही यह देश के कई बड़े महानगरों की बराबरी करेगा.

भविष्य की आवश्यकता

आयुक्त ने बताया कि सिंहस्थ-2028 में लगभग 50 करोड़ श्रद्धालुओं और साधु-संतों के आने का अनुमान है. इसी को ध्यान में रखते हुए उज्जैन को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है. शहर की खाली पड़ी सरकारी जमीनों पर भी नए प्रकल्प विकसित किए जाने की तैयारी चल रही है. विशेष रूप से महाकाल मंदिर के आसपास स्थित वर्षों से खाली सरकारी भूमि की समीक्षा की जा रही है. पुरानी योजनाओं की फाइलें निकलवाकर उनका परीक्षण किया जा रहा है और नए सिरे से विकास योजनाएं तैयार की जा रही हैं.

पत्नी की हत्या कर शव जलाने वाला गिरफ्तार

सीधी. थाना बहरी अंतर्गत ग्राम दुअरा कला में सडक़ के किनारे एक अज्ञात महिला के अधजले शव के मामले का आज पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में खुलासा करते हुए कहा कि पत्नी की हत्या कर शव जलाने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दिनांक 6 जून 2026 को थाना बहरी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दुअरा कला में सडक़ किनारे एक अज्ञात महिला का अधजला शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई. सूचना पर थाना बहरी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची तथा मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की गई.

दो सहेलियों की दोस्ती और साथ रहने की जिद पर विवाद

- सहेली के परिवार पर घर में घुसकर मारपीट का आरोप
- द्वारकापुरी पुलिस ने चार लोगों पर दर्ज की एफआईआर

दोनों युवतियों ने परिवार से अपनी जान को खतरा बताया

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह और उसकी सहेली पहले भी पुलिस कमिश्नर से मिलकर साथ रहने और सुरक्षा की मांग कर चुकी हैं. उनकी शिकायत महिला थाने भेजी गई थी, जहां उन्हें अलग रहने की सलाह दी गई. बाद में सहेली को परिजन उसे अपने साथ ले गए थे, लेकिन वह फिर स्वाति के पास लौट आई. घटना के बाद दोनों युवतियों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और सोमवार को डीसीपी जोन-4 कार्यालय में भी गुहार लगाई. दोनों ने अपने परिजनों से जान का खतरा होने की बात कही है. पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है, सीसीटीवी फुटेज सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है.

इंदौर. द्वारकापुरी क्षेत्र में दो युवतियों की दोस्ती और साथ रहने की इच्छा को लेकर विवाद सामने आया है. एक युवती की शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने का मामला दर्ज किया है. घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है.

स्वाति नामक युवती ने नितेश, उमेश, कृष्णा और नेहा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. स्वाति का कहना है कि उसकी एक युवती से पिछले पांच वर्षों से दोस्ती है और दोनों साथ रहना चाहती हैं. इसी बात को लेकर सहेली के परिजन नाराज थे. दोनों युवतियां मार्च में वैष्णो देवी, मथुरा, जम्मू-कश्मीर और हरिद्वार घूमने गई थीं, जिसके बाद सहेली के पति और परिजनों ने उनके रिश्ते पर आपत्ति जतानी शुरू कर दी. आरोप है कि रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 12.30 बजे आरोपी उसके घर पहुंचे और विवाद के बाद मारपीट शुरू कर दी. उमेश ने उसका सिर दीवार से टकराया, जबकि अन्य आरोपियों ने हाथ-मुक्कों से पीटा. बाद में उसे घर से बाहर खींचकर सड़क पर लाकर भी मारपीट की गई. घटना पास के सीसीटीवी कैमरों में कैद होना भी बताया है.

एनएसयूआई ने किया जोरदार प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

भोपाल, 08 जून. मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 7 जून को आयोजित वनरक्षक, क्षेत्ररक्षक, जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक भर्ती परीक्षा-2026 में कथित अनियमितताओं और अव्यवस्थाओं को लेकर सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने कर्मचारी चयन मंडल कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया.

संगठन ने परीक्षा संचालन में हुई कथित लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई तथा प्रभावित अभ्यर्थियों को राहत प्रदान करने की मांग उठाई. प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार और भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कर्मचारी चयन मंडल कार्यालय पहुंचकर संयुक्त परीक्षा नियंत्रक दिनेश अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा.

रवि परमार ने आरोप लगाया कि हजारों अभ्यर्थी दूर-दराज क्षेत्रों से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे और यात्रा व अन्य व्यवस्थाओं पर भारी खर्च किया, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा तथा बाद में परीक्षा निरस्त कर दी गई. उन्होंने कहा कि इससे अभ्यर्थियों को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा. अक्षय तोमर ने कहा कि पूरी घटना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाती है और इससे भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग गया है. एनएसयूआई ने परीक्षा शुल्क वापस करने, उच्चस्तरीय जांच कराने, प्रभावित अभ्यर्थियों को मुआवजा देने तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

अब 20 को होगी वनरक्षक और जेल प्रहरी भर्ती की परीक्षा

भोपाल, 08 जून. मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा वनरक्षक क्षेत्ररक्षक जेल प्रहरी और सहायक जेल अधीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 अब नई तिथि 20 जून को होगी। बता दें मण्डल द्वारा दिनांक 7 जून संचालित होने जा रही थी, जिसे तकनीकी समस्या के कारण स्थगित कर दिया गया था.

द्वितीय पाली में दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से शाम 4 बजकर 30 मिनट तक आयोजित होने वाली परीक्षा स्थगित होने के कारण विद्यार्थियों में रोष भी है. वहीं मंडल अभ्यर्थियों को परेशानी से बचाने और उनके हित को दृष्टिगत रखते हुए 20 जून को समय फिर से निर्धारित किया है. बता दें स्थगित की गई इस परीक्षा का पुनः आयोजन प्रथम पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगा। परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थी मण्डल की आधिकारिक वेबसाइट से अपने नए प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश में पड़ने लगी राहत की फुहारें

43 डिग्री पार खजुराहो में पारा

पचमढ़ी में सबसे सर्द रात

भोपाल, 08 जून. प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने लगा है. सोमवार को राज्य के कई हिस्सों में तेज आंधी के साथ वर्षा हुई. जिससे तापमान में उतार-चढ़ाव का सिलसिला शुरू हो गया है.

मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रीवा और जबलपुर संभागों के जिलों में कहीं-कहीं बौछारें पड़ी हैं. इस दौरान चंबल संभाग में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम रहा. वहीं प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान खजुराहो में 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान पचमढ़ी में 19.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है. आगामी दिनों में भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतुल, हरदा, जबलपुर और ग्वालियर सहित अनेक जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है.

राजधानी में बौछारों से मिली राहत

भोपाल जिले में पिछले 24 घंटों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ वर्षा दर्ज की गई. जिसमें राजधानी में शाम साढ़े 6 बजे के बाद हुई बारिश में शहर के रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई. वहीं सोमवार का अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस रहा. वहीं बैरागढ़, एयरपोर्ट क्षेत्र में झोंकेदार हवाओं की गति 43 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई.

डंपर ने स्कूटी को कुचला, एक की मौत

जबलपुर. माढ़ोताल थाना अंतर्गत खजरी खिरिया बाईपास पर एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने स्कूटी सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. स्कूटी डंपर के नीचे फंस गई और सड़क पर काफी दूर तक घिसटती चली गई. स्कूटी और डंपर दोनों में भीषण आग लग गई. दिल दहला देने वाले सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. माढ़ोताल के शंकर नगर का रहने वाला अजीत चौधरी रात करीब दो बजे अपनी स्कूटी से जा रहा था. इसी दौरान बाईपास पर पीछे से आ रहे डंपर ने उसे रौंद दिया. टक्कर के बाद स्कूटी डंपर के अगले हिस्से में लॉक हो गई. डंपर चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे भगाने का प्रयास किया.

राहत : एग्जाम में शामिल होंगे विधि छात्र

अनावेदकों को नोटिस जारी कर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

बदलाव करने जनहित याचिका ली वापस

कम्युनिटी हॉल के स्थान परिवर्तन किये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गयी थी। याचिकाकर्ता की तरफ से सुनवाई के दौरान याचिका में संशोधन करने के लिए उसे वापस लेने का आग्रह किया गया। हाईकोर्ट जस्टिस जी एस अहलूवालिया था जस्टिस दीपक खोट की युगलपीठ ने आग्रह को स्वीकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

जबलपुर. मप्र हाईकोर्ट से विधि छात्रों को राहत मिली है. जस्टिस जीएस आहलूवालिया व जस्टिस दीपक खोत की अवकाशकालीन पीछ ने 10 जून को होने वाली परीक्षा में उन्हें शामिल करने के निर्देश दिये है.

इसके साथ ही अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब जवाब तलब किया है. युगलपीठ ने मामले की सुनवाई संबंधित अन्य याचिका के साथ संयुक्त रूप से करने के निर्देश देते हुए अगली सुनवाई 12 जून को निर्धारित की है. यह मामले में सागर बीना निवासी अमित दांगी, गौरव राजपूत, कपिल व अन्य की ओर से दायर किये गये थे. जिनकी ओर से अधिवक्ता स्मिता वर्मा अरोरा ने पक्ष रखा. जिन्होंने बताया कि आवेदकों को छठवें सेमेस्टर में शामिल नहीं किया जा रहा है, जिसका कारण यह बताया गया कि 50 फीसदी से कम अंक है. जबकि अब केवल द्वितीय श्रेणी के उम्मीदवारों को ही उसकी पात्रता है.

आवेदकों की ओर से कहा गया कि 45 फीसदी के ऊपर वाले द्वितीय श्रेणी के माने जाते थे, उसके नीचे तृतीय श्रेणी निर्धारित थी. आवेदक पचास फीसदी अंकों की पात्रता रखते है और पूर्व के एग्जाम देते आये है.

परीक्षा रद्द : अभाविप ने किया प्रदर्शन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 08 जून. मप्र कर्मचारी चयन मंडल द्वारा वनरक्षक, जेल प्रहरी, सहायक जेल अधीक्षक और क्षेत्र प्रहरी भर्ती परीक्षा को स्थगित करने के मामले में सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जमकर प्रदर्शन किया.

विरोध में अभाविप के कार्यकर्ताओं ने कर्मचारी चयन मंडल की बिल्डिंग के बाहर एकत्रित होकर प्रदेश सरकार और मंडल प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की. अभाविप के कार्यकर्ताओं ने कहा कि परीक्षा रद्द होने से हजारों परीक्षार्थियों को भारी मानसिक पीड़ा, समय की बर्बादी और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है. छात्र वर्षों तक इसके लिए कठिन परिश्रम करते हैं. ऐसे संवेदनशील मामलों में सर्वर फेलियर जैसी तकनीकी विफलता के कारण परीक्षा का रद्द होना एक गंभीर अपराध है.

अभाविप मध्यभारत प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी ने प्रदर्शन के दौरान चेतावनी दी, कि अंतिम क्षणों में परीक्षा का रद्द होना दुर्भाग्यपूर्ण है. बता दें अभाविप ने प्रदर्शन के दौरान मांग की है कि सर्वर की इस गंभीर खामी की जांच के लिए तत्काल एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए. जिससे इस विफलता के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और तकनीकी साझेदारों को चिन्हित कर उन पर सख्त कार्रवाई हो सके.

अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह

भोपाल, 08 जून. संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह किया जा रहा है. बता दें यह विशेष जन जागरूकता अभियान 6 जून से प्रारंभ हो चुका है. जो कि 12 जून 2026 तक संचालित होगा. अभियान के तीसरे दिन मंडल के विभिन्न समपार फाटकों पर सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया. वहीं अभियान के अंतर्गत संरक्षा विभाग द्वारा 8 जून को मिसरोद स्टेशन के समपार फाटक संख्या 246 पर 50 सुरक्षा पंपलेट वितरित किए गए. साथ ही 50 सड़क उपयोगकर्ताओं की काउंसिलिंग की गई. इसी प्रकार हरदा स्टेशन के समपार फाटक संख्या 204 पर 60 पंपलेट वितरित कर 60 लोगों को समपार सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई.

शिक्षा नीति | देश भर में केवल 64.7 और मप्र में 59.2% स्कूलों में उपलब्ध है कंप्यूटर

डिजिटल शिक्षा की दौड़ में संघर्ष करता एमपी

10 सालों में 41.9 % की वृद्धि हुई इंटरनेट उपलब्धता में

99.5 % का लक्ष्य चंडीगढ़ ने किया हासिल

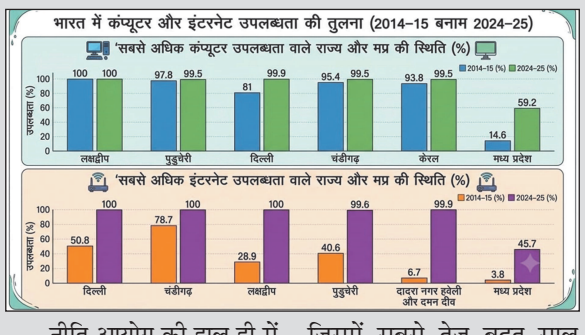

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 08 जून. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्कूलों को कंप्यूटर और इंटरनेट को क्लासरूम से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है.

नीति आयोग की हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2014-15 में देश भर में केवल 26.42 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर थे. जो आंकड़ा साल 2024-25 में बढ़कर 64.7 प्रतिशत हो गया है. जिसमें सबसे तेज बढ़त साल 2020-21 के बाद देखी गई. वहीं कई राज्यों जैसे मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल अब भी बुनियादी डिजिटल ढांचे के लिए संघर्ष कर रहे हैं. देश भर में कंप्यूटर उपलब्धता में लक्षद्वीप ने 100 प्रतिशत, दिल्ली ने 99.9 प्रतिशत, पुडुचेरी ने 99.5 प्रतिशत, चंडीगढ़ ने 99.5 प्रतिशत और केरल ने 99.5 प्रतिशत के साथ करीब सभी स्कूलों तक कंप्यूटर पहुंचा दिए हैं. इसके उलट मेघालय में सबसे कम 19.7 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में 25.1 प्रतिशत और बिहार में 25.2 प्रतिशत स्कूलों में ही कंप्यूटर हैं.

मध्यप्रदेश का प्रदर्शन निराशाजनक

पिछले 10 सालों में देश भर के 8.05 प्रतिशत स्कूलों से इंटरनेट उपलब्धता बढ़कर 63.5 प्रतिशत स्कूलों में पहुंच चुकी है. जिसमें दिल्ली, चंडीगढ़, लक्षद्वीप और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने शत प्रतिशत के करीब सफलता पाई है. वहीं मध्य प्रदेश के केवल 45.7 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो पाई है. जो कि साल 2014-15 में 3.8 प्रतिशत स्कूलों में थीं. जिसमें 10 सालों में कुल 41.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. लेकिन आज भी करीब 50 प्रतिशत से अधिक स्कूल इंटरनेट की उपलब्धता से वंचित हैं.

खिलाड़ियों को साधने में जुटी कांग्रेस

2028 चुनाव के लिए खेल प्रकोष्ठ ने बनाई रणनीति

विशेष संवाददाता

भोपाल, 08 जून. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ ने कांग्रेस मुख्यालय में महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित कर खेल विकास, खिलाड़ियों के कल्याण तथा वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर व्यापक रणनीति पर मंथन किया.

कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश खेल प्रकोष्ठ के संयोजक मतीन खान ने की. बैठक में प्रदेशभर में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने, उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने तथा खिलाड़ियों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने पर चर्चा की गई. साथ ही युवा खिलाड़ियों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने और संगठन की जमीनी पहुंच बढ़ाने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ.

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने खिलाड़ियों के हितों की उपेक्षा की है तथा उभरती खेल प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर और संसाधन उपलब्ध नहीं कराए हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, सम्मान और अवसर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है. साथ ही युवाओं और खिलाड़ियों से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन को और मजबूत किया जाएगा.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी *, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60